भास्कर इंटरव्यू वेदांता ग्रुप की 4 अलग कंपनियां भारत में लिस्ट हुईं, चेयरमैन अनिल अग्रवाल की भास्कर से खास बातचीत

भास्कर: 4 कंपनियों को आपने क्यों अलग किया?

अग्रवाल : बच्चे जवान होते हैं, तो स्वतंत्र छोड़ देना चाहिए, वैसे ही मेरी हर कंपनी 5 साल में 100 अरब डॉलर की होगी

अरुण चौहान | मुंबई

वेदांता समूह ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा फैसला लेते हुए अपनी चार प्रमुख कंपनियों के डिमर्जर (विभाजन) का ऐलान किया है। ये चार कंपनियां (वेदांता एल्युमिनियम, वेदांता ऑयल एंड गैस, वेदांता आयरन एंड स्टील और वेदांता पावर) सोमवार को भारत में लिस्ट हुईं। इन चारों की कुल मार्केट वैल्यू 49 हजार करोड़ रु. बढ़कर 3.52 लाख करोड़ रु. हो गई। इस मेगा मूव के बाद वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने दैनिक भास्कर से एक्सक्लूसिव बातचीत की। बताया कि 13 साल बाद इस फैसले के पीछे क्या विजन है? इससे देश में कितने नए रोजगार पैदा होंगे? लड़कियों को लेकर सोच बदलना क्यों जरूरी है?

• आपने करीब 13 साल बाद इतने बड़े स्तर पर अपनी कंपनियों को अलग करने का कदम क्यों उठाया?

जब बच्चे जवान हो जाते हैं, तो उन्हें स्वतंत्र छोड़ देना चाहिए। हमारे बिजनेस में इतनी क्षमता है कि वे अलग होकर और बड़ा वटवृक्ष बन सकें। मुख्य लक्ष्य आत्मनिर्भरता है। विदेशी ताकतों ने हमें सिर्फ इम्पोर्ट करने वाला बाजार बना दिया था, जबकि हमारी धरती में संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं। डिमर्जर से हर बिजनेस को अपनी अलग पहचान मिलेगी।

• अगले 5 साल के लिए आपका क्या रोडमैप है और इससे कितने रोजगार पैदा होने की संभावनाएं हैं?

हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में हर कंपनी 100 अरब डॉलर (करीब 9.45 लाख करोड़ रु.) की वैल्यू वाली बने। भारत में एल्युमिनियम, जिंक, आयरन-स्टील और पावर सेक्टर्स में 11% से 15% तक की सालाना ग्रोथ है। इस एक्सपैंशन से डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स की छोटी फैक्ट्रियां लगेंगी, जिससे देश में करीब 2-3 लाख रोजगार पैदा होंगे।

• पावर सेक्टर में नई योजनाएं क्या हैं, प्लांट कहां लगेंगे?

हमारे कोयले में दुनिया में सबसे कम सल्फर है। अब हम देश में मौजूद प्रचुर थोरियम का उपयोग कर न्यूक्लियर पावर के क्षेत्र में आ रहे हैं। हम 20,000 मेगावाट का प्लांट लगाएंगे, जिससे देश की 25% बिजली पैदा होगी। शेष | पेज 4

सीधे स्टार्टअप की न सोचें, नौकरी करके सीखना ज्यादा जरूरी

बच्चों को बरगलाना नहीं चाहिए। देश में शुरुआती दिनों में नौकरी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वहीं से आप काम सीखते हैं। लेकिन नौकरी ऐसी जगह ढूंढ़िए जो किसी उद्यमी की कंपनी हो और मार्केट में लिस्टेड हो। वहां काम सीखिए और फिर आगे बढ़िए। लैपटॉप दुनिया की खिड़की है, एआई को समझें और अगर वे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स के स्टार्टअप्स में जाएंगे, तो वहां धोखा खाने की गुंजाइश न के बराबर है।

ग्रोथ बढ़ाने के लिए सबसे जरूरी क्या?

हमारे यहां 50% महिलाएं हैं... जहां-जहां वे हैं, वहां ग्रोथ बढ़ी

पैरेंट्स के लिए सबसे जरूरी है कि लड़कियों को आगे लाएं। वे लड़कों से अच्छा काम करेंगी। शुरू में सरकार ने बैन कर रखा था कि माइनिंग और रेस्क्यू टीम में लड़कियां नहीं जा सकतीं। हमने सरकार से अनुमति ली। हमारे यहां 50% महिलाएं हैं। जहां लड़कियां ज्यादा हैं, वहां तेज ग्रोथ हुई है। चाहे बहू हो या बेटी, वे कुछ न कुछ क्रिएटिव काम जरूर करें, जिससे क्रिएटिविटी हो। कुछ आमदनी हो। लड़कियां लड़कों से अलग सोचती हैं। हमारी ग्रोथ में दूसरा बड़ा योगदान एआई का है।